प्रपत्र–26

परियोजना का नामः–जनपद नैनीताल में स्थापित राजकीय मेडिकल कालेज हल्द्वानी के नियंत्रणाधीन स्वामी राम कैंसर चिकित्सालय एवं अनुसंधान संस्थान हल्द्वानी का विस्तारीकरण करते हुए ''राज्य कैंसर संस्थान'' तथा ''संक्रमण रोग चिकित्सालय'' की स्थापना किये जाने हेतु 4.25 हेक्टेयर आरक्षित वन भूमि का हस्तान्तरण।

भू–वैज्ञानिक की आख्याः संलग्न है।

प्राचार्य
राजकीय मेडिकल कॉलेज
हल्द्वानी (नैनीताल) उत्तराखण्ड

निरी0आ0 सं0 /५ /टा0फो0नैनी/भवन/2011–12

कार्यालय भूवैज्ञानिक, भूतत्व एंव खनिकर्म इकाई, जिला टास्क फोर्स, नैनीताल स्थित हल्द्वानी।

राजकीय मेडिकल कॉलेज, हल्द्वानी स्थित वन भूमि चिकित्सा शिक्षा विभाग को हस्तान्तरित किये जाने हेतु स्थल की भूगर्भीय निरीक्षण आख्या।

प्रस्तावना:–

नोडल अधिकारी, राजकीय मेडिकल कॉलेज, हल्द्वानी के पत्रांक 2538/जीएमसी/एल–1/भूमि/रा0मे0का0/01, दिनांक 11 अक्टूबर, 2010 के माध्यम से सन्दर्भित उपरोक्त प्रस्तावित स्थल का भूगर्भीय निरीक्षण, अभिलेख पूर्ण कराने के उपरान्त, अधोहस्ताक्षरी द्वारा दिनांक 09.12.2010 को श्री अभिषेक खोलिया, उप प्रबन्धक की उपस्थिति में सम्पन्न किया गया, जिसकी निरीक्षण आख्या निम्नवत् है:–

स्थिति:–

प्रस्तावित स्थल, हल्द्वानी में, हल्द्वानी–रामपुर मोटर मार्ग के उत्तर–पश्चिम की ओर स्थित है। चिकित्सा शिक्षा विभाग को हस्तान्तरित की जाने वाली सम्पूर्ण वन भूमि को तीन खण्डों में बांटा गया है। प्रथम खण्ड उत्तर की ओर स्थित है। यह स्थल एक खुला भूखण्ड है जिसमें वर्तमान में स्वस्थानिक झाड़ियां तथा सघन वृक्षाच्छादित हैं। निरीक्षण के समय स्थल पर उपस्थित कार्यदायी संस्था के प्रतिनिधि द्वारा अवगत कराया गया कि चयनित भूमि के इस भाग में ट्रामा सेन्टर, पैरामेडिकल कॉलेज व नर्सिंग कालेज के भवनों का निर्माण किया जाना प्रस्तावित है। इस स्थल के उत्तर–पूर्व की ओर वन भूमि स्थित है जिसमें स्वस्थानिक झाड़ियां तथा सघन वृक्ष विद्यमान हैं। इस स्थल के दक्षिण की ओर कैंसर अस्पताल का भवन तथा पश्चिम की ओर सम्पर्क मार्ग तथा आवासीय भवन स्थित है। स्थल के इस खण्ड का क्षेत्रफल 4.19 हैक्टेयर है। यह स्थल भारतीय सर्वेक्षण विभाग के टोपो शीट सं0 53 O/12 के अन्तर्गत आता है। स्थल की समुद्र तल से ऊंचाई लगभग 405 मीटर है। स्थल निम्न अक्षासं व देशान्तर पर स्थित है :–

उत्तर	29^0	12′	36.5″	अक्षासं
पूर्व	79^0	31′	05.8″	देशान्तर

चयनित भूमि का द्वितीय खण्ड, प्रथम खण्ड के दक्षिण की ओर स्थित है जिसमें वर्तमान में स्वामी राम कैंसर अस्पताल का भवन तथा इन्सीनेटर का भवन स्थित है। स्थल के उत्तर की ओर खुला वृक्षाच्छादित भूभाग, दक्षिण की ओर मोटर मार्ग तथा वन भूमि तथा पश्चिम की ओर भी मोटर मार्ग तथा वन भूमि स्थित है। स्थल के पूर्वी भाग में सघन वृक्षाच्छादित भूभाग है जिसमें अस्पताल का एक भवन बनाया जाना प्रस्तावित है। इस भूखण्ड के दक्षिण–पूर्वी सीमा पर हल्द्वानी–रामपुर मोटर मार्ग स्थित है। स्थल के इस भाग का क्षेत्रफल 6.0 हैक्टेयर है। यह स्थल समुद्र तल से लगभग 40 मीटर की ऊंचाई पर तथा निम्न अक्षासं व देशान्तर पर स्थित है :–

उत्तर	29^0	12′	27.0″	अक्षासं
पूर्व	79^0	31′	05.0″	देशान्तर

स्थल का तीसरा खण्ड दक्षिण की ओर स्थित है जिसका क्षेत्रफल 4.0 हैक्टेयर है। स्थल पर वर्तमान में दक्षिण की ओर डा0 सुशीला तिवारी चिकित्सालय का भवन तथा उत्तर की ओर चिकित्सालय कर्मियों के आवासीय भवन का निर्माण किया गया है। स्थल के उत्तर की ओर नाप भूमि, पश्चिम व दक्षिण की ओर मोटर मार्ग तथा आवासीय भवन स्थित हैं। स्थल के पूर्व की ओर हल्द्वानी–रामपुर मोटर मार्ग तथा उसके बाद वन भूमि स्थित है।

प्राचार्य
राजकीय मेडिकल कॉलेज
हल्द्वानी (नैनीताल) उत्तराखण्ड

स्थल के इस भाग में कोई निर्माण कार्य प्रस्तावित नहीं है। यह स्थल समुद्र तल से लगभग 404 मीटर की ऊँचाई पर तथा निम्न अक्षांस व देशान्तर पर स्थित है :–

उत्तर	29^0	12′	13.8″	अक्षांस
पूर्व	79^0	30′	55.8″	देशान्तर

भूगर्भीय सरचना :–

भूगर्भीय दृष्टिकोण से प्रस्तावित स्थल हिमालय पर्वत श्रंखला के गिरीपद में स्थित भावर क्षेत्र में अवस्थित है। स्थल पर कठोर स्वस्थानिक चट्टानों का पूर्णतया अभाव है। स्थल की सतह पर भूरे रंग की मोटे कणों वाली मृदा तथा विभिन्न प्रकार की चट्टानों के कोबेल तथा पैबल का मिश्रण पाया गया। यह सम्पूर्ण क्षेत्र गौला नदी द्वारा कालान्तर में अपने साथ बहाकर लाये गये नदीय निक्षेपों द्वारा निर्मित है इसलिये स्थल पर नीचे की ओर मृदा के साथ विभिन्न प्रकार की चट्टानों के बोल्डर, कोबेल व पैबल अधिक मात्रा में मिलने की प्रबल सम्भावना है। स्थल पर ढलानें दृष्टिगोचर नहीं होती हैं तथा स्थल लगभग समतल है जबकि क्षेत्रीय स्तर पर, स्थल एवं स्थल के निकटवर्ती क्षेत्र में सामान्य ढलानें दक्षिण की ओर हैं। स्थल के निकटवर्ती क्षेत्र में कोई अधिक ढालदार भूभाग दृष्टिगोचर नहीं होता है। स्थल पर तथा स्थल के निकटवर्ती क्षेत्र में बहुमंजिले भवनों का निर्माण किया गया है जो वर्तमान में सुदृढ़ अवस्था में हैं। निरीक्षण के समय स्थल पर भूधंसाव के कोई चिन्ह नहीं पाये गये।

सुझाव एवं शर्ते :–

प्रथम दृष्टया निरीक्षण के दौरान वर्तमान में ऐसा कोई तथ्य प्रकाश में नही आया जिससे कि निर्माण से भूखण्ड को कोई खतरा उत्पन्न हो, तथापि भूगर्भीय संरचना के दृष्टिकोण से भवन का निर्माण करते समय निम्नलिखित सुझावों का अनुपालन किया जाना अनिवार्य होगा:–

1. स्थल पर निर्माण कार्य से पूर्व, स्थल की भारग्रही क्षमता का परीक्षण कराकर उसके अनुरूप ही निर्माण कार्य किया जाना होगा।
2. भवन का निर्माण बीम व कालम पर ही किया जाये तथा नींव को यथोचित गहराई तक ले जाया जाना तथा भवन का निर्माण भूकम्प के अधिकतम परिमापों के कम्पनो को दृष्टिगत रखते हुए भूकम्परोधी तकनीक को अपनाते हुए किया जाना आवश्यक होगा।
3. भवन की अधिकतम ऊँचाई क्षेत्र में निर्धारित किये गये मानको के अनुसार ही रखनी होगी तथा भवन की ऊपरी छत में टिन शेड का ही उपयोग किया जाना होगा।
4. भवन का निर्माण यथासम्भव हल्की निर्माण सामग्री का उपयोग करते हुए किया जाये तथा आर0सी0सी0 ब्लाकों का उपयोग भवनों के निर्माण में पूर्णतया प्रतिबन्धित होगा।
5. सोक पिट का निर्माण भवन से दूर ऐसे स्थल पर करें जहाँ पर रिसाव की स्थिति ना हो।
6. भवन के चारों ओर वर्षा जल के निकास हेतु पक्की नालियों का निर्माण किया जाना भूगर्भीय संरचना के दृष्टिकोण से अनिवार्य होगा।

अतः उपरोक्त सुझावों के अनुपालन की दशा में ही उपरोक्त स्थल भूगर्भीय संरचना के दृष्टिकोण से सन्दर्भित प्रयोजन हेतु उपयुक्त प्रतीत होता है। यदि कार्यदायी संस्था द्वारा उपरोक्त सुझावों का अनुपालन नहीं किया जाता है तो यह अनापत्ति प्रमाण पत्र स्वतः ही निरस्त समझा जायेगा एवं उक्त के फलस्वरूप उत्पन्न होने वाली भूगर्भीय दृष्टिकोण से विपरीत परिस्थितियों के लिये कार्यदायी संस्था उत्तरदायी होगी।

(लेख राज)
सहायक भूवैज्ञानिक

प्राचार्य
राजकीय मेडिकल कॉलेज
हल्द्वानी (नैनीताल) उत्तराखण्ड